LS7CBF

2 राज्य की सरकार

भाग–एक

1. आप सरकार के बारे में क्या जानते हैं?
2. आपके क्षेत्र से सरकार में कौन–कौन लोग शामिल हैं? उनकी सूची बनाएँ।
3. सरकार कैसे बनती है? शिक्षक की मदद से आपस में चर्चा करें।

हमारे देश में दो प्रकार की सरकारें हैं। एक केन्द्र की सरकार और दूसरी राज्यों की सरकार। जैसे छत्तीसगढ़ राज्य में एक सरकार है, उसी तरह ओडिशा व मध्यप्रदेश राज्यों की भी अपनी–अपनी, अलग–अलग सरकारें हैं। वे अपने–अपने राज्यों के लिए कानून बनाती हैं। केन्द्र सरकार जो कानून बनाती है वह पूरे भारत देश में लागू होता है।

राज्य की सरकार बनाने के लिए चुनाव किस तरह होते हैं? सरकारें कैसे बनती हैं? इसे जानने के लिए आइए एक कहानी पढ़ें।

एक विधायक की कहानी

इस कहानी में पूरब प्रदेश नाम का एक राज्य और उसके विधानसभा क्षेत्र गोपालपुर का वर्णन किया गया है। कहानी में राज्य, विधानसभा क्षेत्र, पार्टी व लोगों के नाम सब काल्पनिक हैं। लेकिन विधायक चुनने का तरीका व चुनाव संबंधी नियम वास्तविक हैं।

पूरब प्रदेश में कुल 70 विधानसभा क्षेत्र हैं जिनमें से एक है– गोपालपुर। पूरब प्रदेश में अभी कुछ ही दिनों पहले विधानसभा के चुनाव हुए थे। इस चुनाव में कई राजनैतिक दलों ने भाग लिया था। इन दलों में भारत दल व जनता मिशन मुख्य दल थे। गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र से भी यही दो मुख्य पार्टियाँ चुनाव लड़ रही थीं। यहाँ से भारत दल के रामप्रसाद और जनता मिशन दल से श्रीमती पल्लवी बाई चुनाव लड़ रही थीं।

1. पूरब प्रदेश को कितने चुनाव क्षेत्रों में बाँटा गया था?
2. श्रीमती पल्लवी बाई किस राजनैतिक दल से चुनाव लड़ रही थीं?
3. रामप्रसाद किस राजनैतिक दल से चुनाव लड़ रहे थे?

चुनावों में कई उम्मीदवार चुनाव लड़ते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि वोट देने वाले कैसे तय करते होंगे कि किसे वोट देना है और किसे नहीं। यही जानने के लिए आइए इस कहानी को आगे पढ़ें।

गोपालपुर में चुनाव प्रचार

चुनाव 20 जनवरी को होने वाले थे, लेकिन लोगों ने 15–20 दिन पहले से ही जीप, मोटर सायकल, टैक्सी में लाउडस्पीकर लगाकर व आम सभाओं के साथ चुनाव–प्रचार शुरू कर दिया था। प्रत्येक दल के उम्मीदवार व उसके सहयोगियों द्वारा आश्वासन दिए जा रहे थे कि वे गरीबी दूर करने के उपाय करेंगे, जमीन के पट्टे दिलवाएँगे, गाँव–गाँव में बिजली, पीने का पानी, स्कूल,

चित्र–2.1 चुनाव प्रचार

अस्पताल की सुविधा उपलब्ध कराएँगे, लोगों को रोजगार दिलाएँगे। सभी उम्मीदवारों ने अपने–अपने नाम के बैनर, पोस्टर व बिल्ले बनवाए थे। कई बच्चे अलग–अलग दलों के बिल्ले लगाकर घूम रहे थे जिन पर उम्मीदवारों के फोटो छपे थे।

पल्लवी बाई की आमसभा

11 तारीख को गोपालपुर के गोल मैदान में जनता मिशन दल की उम्मीदवार पल्लवी बाई की आम सभा थी। सभा में जनता मिशन दल के दूसरे बड़े नेता भी थे। सभा में एक पर्चा बाँटा गया जिसमें पल्लवी बाई का फोटो व उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न भी छपा हुआ था। पर्चे में लिखा था कि गोपालपुर में पल्लवी बाई ने कौन–कौन–से काम करवाए हैं और अगर पूरब प्रदेश में जनता मिशन दल की सरकार बनती है तो कौन–कौन–से नए काम करवाए जाएँगे। कुछ नेताओं के बोलने के बाद सभा में पल्लवी बाई के बोलने की बारी आई। पल्लवी बाई ने अपने भाषण में कहा कि पिछली बार उन्होंने सिंचाई के लिए एक छोटा बाँध बनवाया था, कई स्कूलों के लिए अतिरिक्त पक्के कमरे बनवाए थे तथा कई गाँवों को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए पहुँच सड़कें बनवाई थीं। उन्होंने कहा कि यदि आप लोग मुझे जिताएँगे और मेरे दल की सरकार बनेगी तो इस क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार स्कूल, अस्पताल, पीने का पानी, आदि सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएँगी। साथ ही, गोपालपुर में कई बड़े कारखाने भी लगवाए जाएँगे। इससे इस क्षेत्र के बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा और लोग बड़े शहरों की तरफ पलायन नहीं करेंगे। पल्लवी बाई के भाषण के बाद आमसभा समाप्त हो गई।

चाय की एक दुकान पर कुछ लोग आपस में बातें कर रहे थे। एक आदमी कह रहा था– "इस बार 'भारत दल' तो जाएगा क्योंकि सिवाय महँगाई बढ़ाने के इस पार्टी की सरकार ने और कुछ

चित्र–2.2 पल्लवी बाई की आम सभा

भी नहीं किया है।" एक दूसरे व्यक्ति ने कहा, "जनता मिशन दल ने कौन–से तीर मारे हैं।" तो तीसरे ने कहा, महँगाई सिर्फ पूरब प्रदेश में ही नही बढ़ी है, पूरे देश में बढ़ी है। किसी और ने कहा, "महँगाई बढ़ी, लेकिन मजदूरी उतनी ही है।" एक और व्यक्ति ने कहा, "सूखा पड़ने पर पिछली सरकार ने कोई उपाए नहीं किए थे।"

तभी चाय की दुकान पर एक नया व्यक्ति आया। वह बहुत उत्सुकता से बताने लगा कि फूलबस्ती में भारत दल के लोग कंबल बाँटते पकड़े गए हैं। ''अरे तो क्या हुआ, जनता मिशन दल वालों ने भी तो गाजरगली में साड़ियाँ बाँटी थीं।'' किसी और ने जबाब दिया।

इस प्रकार चुनाव प्रचार चला और 18 तारीख की शाम को चुनाव प्रचार का शोरगुल शांत हो गया।

कहानी के अनुसार–

1. पूरब प्रदेश राज्य में कितने विधानसभा क्षेत्र हैं?
2. रामप्रसाद किस विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे थे?
3. चुनाव प्रचार क्यों किया जाता है?
4. चुनाव प्रचार के दौरान लोग पर्चे व पोस्टर आदि किसलिए बाँटते हैं?
5. चुनाव प्रचार में कंबल, साड़ियाँ, पैसे आदि बाँटना क्यों उचित नहीं है ? शिक्षक की मदद से आपस में चर्चा करें।
6. मतदान के दिन से एक दिन पहले ही चुनाव प्रचार क्यों बंद कर दिया जाता है? शिक्षक से चर्चा करें।

विधानसभा क्षेत्र

आपने कक्षा 6वीं में पढ़ा था कि ग्राम पंचायत के चुनावों के लिए हर ग्राम पंचायत को कई वार्डों में बाँटा जाता है तथा हर वार्ड से एक पंच का चुनाव होता है। पंचायत के वार्ड़ों की तरह ही विधानसभा के लिए पूरे राज्य को अलग–अलग क्षेत्रों में बाँटा जाता है।

पंचायत के वार्ड में तो केवल 50 से 100 मतदाता होते हैं परंतु एक विधानसभा क्षेत्र में एक लाख या उससे भी अधिक मतदाता होते हैं। ये लोग कई गाँवों और कस्बों में रहते हैं। बड़े–बड़े शहर तो कई किलोमीटर तक फैले होते हैं। उनमें कई लाख लोग रहते हैं। इसलिए बड़े शहरों में एक से अधिक विधानसभा चुनाव क्षेत्र होते हैं। जैसे रायपुर में चार विधान सभा क्षेत्र हैं। हर विधान सभा चुनाव क्षेत्र से एक विधायक चुना जाता है। पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में 90 विधानसभा क्षेत्र हैं।

छत्तीसगढ़ के विधानसभा क्षेत्र (विधानसभा क्रमांक एवं जिला)

क्रमांक	विधानसभा क्रमांक	विधानसभा का नाम	जिले का नाम
1	1	भरतपुर – सोनहत	कोरिया
2	2	मनेन्द्रगढ	कोरिया
3	3	बैंकुठपुर	कोरिया
4	4	प्रेमनगर	सूरजपुर
5	5	भटगांव	सूरजपुर
6	6	प्रतापपुर	बलरामपुर, सूरजपुर
7	7	रामानुजगंज	बलरामपुर
8	8	सामरी	बलरामपुर
9	9	लुण्ड्रा	सरगुजा
10	10	अम्बिकापुर	सरगुजा
11	11	सीतापुर	सरगुजा
12	12	जशपुर	जशपुर
13	13	कुनकुरी	जशपुर
14	14	पत्थलगांव	जशपुर
15	15	लैलुंगा	रायगढ़
16	16	रायगढ	रायगढ़

17	17	सारंगढ	रायगढ़
18	18	खरसिया	रायगढ़
19	19	धर्मजयगढ	रायगढ़
20	20	रामपुर	कोरबा
21	21	कोरबा	कोरबा
22	22	कटघोरा	कोरबा
23	23	पाली – तानाखार	कोरबा
24	24	मरवाही	बिलासपुर
25	25	कोटा	बिलासपुर
26	26	लोरमी	मुंगेली
27	27	मुंगेली	मुंगेली
28	28	तखतपुर	बिलासपुर
29	29	बिल्हा	बिलासपुर,मुंगेली
30	30	बिलासपुर	बिलासपुर
31	31	बेलतरा	बिलासपुर
32	32	मस्तुरी	बिलासपुर
33	33	अकलतरा	जांजगीर–चाम्पा
34	34	जांजगीर – चांपा	जांजगीर–चाम्पा
35	35	सक्ती	जांजगीर–चाम्पा
36	36	चन्द्रपुर	जांजगीर–चाम्पा
37	37	जैजेपुर	जांजगीर–चाम्पा
38	38	पामगढ	जांजगीर–चाम्पा
39	39	सराईपाली	महासमुंद
40	40	बसना	महासमुंद
41	41	खल्लारी	महासमुंद

42	42	महासमुन्द	महासमुंद
43	43	बिलाईगढ़	बलौदाबाजार – भाटापारा
44	44	कसडोल	बलौदाबाजार – भाटापारा
45	45	बलौदा बाजार	बलौदाबाजार – भाटापारा,रायपुर
46	46	भाटापारा	बलौदाबाजार – भाटापारा
47	47	धरसींवा	रायपुर
48	48	रायपुर ग्रामीण	रायपुर
49	49	रायपुर नगर पश्चिम	रायपुर
50	50	रायपुर नगर उत्तर	रायपुर
51	51	रायपुर नगर दक्षिण	रायपुर
52	52	आरंग	रायपुर
53	53	अभनपुर	रायपुर
54	54	राजिम	गरियाबंद
55	55	बिन्द्रानवागढ	गरियाबंद
56	56	सिहावा	धमतरी
57	57	कुरूद	धमतरी
58	58	धमतरी	धमतरी
59	59	संजारी बालोद	बालोद
60	60	डौण्डीलोहारा	बालोद
61	61	गुण्डरदेही	बालोद
62	62	पाटन	दुर्ग
63	63	दुर्ग ग्रामीण	दुर्ग
64	64	दुर्ग शहर	दुर्ग
65	65	भिलाई नगर	दुर्ग
66	66	वैशाली नगर	दुर्ग

67	67	अहिवारा	दुर्ग
68	68	साजा	दुर्ग, बेमेतरा
69	69	बेमेतरा	दुर्ग, बेमेतरा
70	70	नवागढ़	बेमेतरा
71	71	पंडरिया	कबीरधाम
72	72	कवर्धा	कबीरधाम
73	73	खैरागढ	राजनांदगांव
74	74	डोंगरगढ़	राजनांदगांव
75	75	राजनांदगांव	राजनांदगांव
76	76	डोंगरगांव	राजनांदगांव
77	77	खुज्जी	राजनांदगांव
78	78	मोहला – मानपुर	राजनांदगांव
79	79	अंतागढ़	उत्तर बस्तर कांकेर
80	80	भानुप्रतापपुर	उत्तर बस्तर कांकेर
81	81	कांकेर	उत्तर बस्तर कांकेर
82	82	केशकाल	कोंडागांव
83	83	कोण्डागांव	कोंडागांव
84	84	नारायणपुर	कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर (जगदलपुर)
85	85	बस्तर	बस्तर (जगदलपुर)
86	86	जगदलपुर	बस्तर (जगदलपुर),सुकमा
87	87	चित्रकोट	बस्तर (जगदलपुर),सुकमा
88	88	दन्तेवाडा	दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा
89	89	बीजापुर	बीजापुर
90	90	कोन्टा	सुकमा

नोट- अंकों के आधार पर विधानसभा क्षेत्र के नाम देखें

30 बिलासपुर
48 रायपुर ग्रामीण
49 रायपुर नगर पश्चिम
50 रायपुर नगर उत्तर
51 रायपुर नगर दक्षिण
64 दुर्ग शहर
65 भिलाई नगर
66 वैशाली नगर

मानचित्र 2.1 छत्तीसगढ़ के विधानसभा क्षेत्र

1. आपके विधानसभा क्षेत्र के विधायक कौन हैं और वे किस पार्टी (दल) के हैं?
2. छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री किस विधानसभा क्षेत्र के विधायक हैं?
3. आपके विधानसभा क्षेत्र के पश्चिम में कौन–सा विधानसभा क्षेत्र है?

प्रतिनिधि

हमारे देश में जिस तरीके से केंद्र व राज्य सरकारों को बनाया जाता है, उसे प्रतिनिधि सरकार कहते हैं। हर राज्य में इतने सारे लोग हैं कि वे सब एक जगह मिलकर कानून नहीं बना सकते, न ही कोई जरूरी निर्णय ले सकते हैं। तब कुछ लोगों को सरकार के काम–काज में शामिल करने के लिए यह तरीका सोचा गया कि राज्य के लोग अपने–अपने क्षेत्रों से अपने प्रतिनिधियों को चुन लें।

राज्य के अलग–अलग विधानसभा क्षेत्रों के लोगों के प्रतिनिधि विधायक होते हैं। उनकी यह जिम्मेदारी होती है कि वे अपने क्षेत्र के लोगों की राय जानें, लोगों की समस्याओं को सुनें और उसे हल करने का प्रयास करें तथा सरकार तक पहुँचाएँ।

1. सही विकल्प चुनकर उत्तर बताइए –

   प्रतिनिधि का अर्थ है –

   अ लोगों द्वारा किसी क्षेत्र से चुना गया व्यक्ति।

   ब. सरकार द्वारा नियुक्त किया गया व्यक्ति।

   स. उस क्षेत्र का जाना–माना व्यक्ति।
2. पूरब प्रदेश में कितने प्रतिनिधि चुने जाएँगे?
3. गोपालपुर चुनाव क्षेत्र से कितने चुने जाएँगे?
4. प्रतिनिधि चुनना क्यों जरूरी है? कक्षा मे ंचर्चा करें।

राजनैतिक दल

सरकार बनाने व शासन के काम–काज पर असर डालने के लिए लोग खास तरह के संगठन बनाते हैं जिन्हें राजनैतिक दल कहते हैं। ये राजनैतिक दल चुनावों में भाग लेते हैं। राजनैतिक दल आमतौर पर ऐसे लोगों का समूह होता है जो एक ही तरह के विचारों को मानते हैं। ये दल लोगों के जीवन से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए उपाय (नीतियाँ) सुझाते हैं।

उदाहरण के लिए किसी राजनैतिक दल का यह विचार हो सकता है कि देश में गरीबी व बेरोजगारी की समस्याएँ इसलिए हैं कि खाने कमाने के लिए रोजगार के अवसर नहीं हैं और जमीन जैसे साधन सबके पास उपलब्ध नहीं हैं। किसी अन्य राजनैतिक दल का यह विचार हो सकता है कि जनसंख्या बढ़ने के कारण देश में गरीबी, बेरोजगारी जैसी समस्याएँ बढ़ी हैं।

हर राजनैतिक दल का एक चुनाव चिह्न व झण्डा होता है, जिससे उस दल की पहचान बनती है। छत्तीसगढ़ में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी आदि हैं।

1. पूरब प्रदेश में मुख्य राजनैतिक दल कौन–कौन–से हैं?
2. किसी भी राजनैतिक दल की पहचान किससे बनती है?
3. राजनैतिक दलों का मुख्य काम क्या होता है?

उम्मीदवार

चित्र–2.3 इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन

विधानसभा या दूसरे चुनावों में अलग–अलग राजनैतिक दलों के लोग चुनाव लड़ते हैं। ये दल हर चुनाव क्षेत्र में अपने उम्मीदवार खड़े करते हैं। उम्मीदवार या चुनाव प्रत्याशी उस व्यक्ति को कहते हैं जो चुनाव में खड़ा होता है और जिसे वोट दिए जाते हैं। अगर कोई व्यक्ति किसी दल में नहीं है, पर चुनाव लड़ना चाहता है तो वह स्वतंत्र रूप से चुनाव में खड़ा हो सकता है। ऐसे उम्मीदवार निर्दलीय कहे जाते हैं। विधानसभा के चुनाव में खड़े होने के लिए उम्मीदवारों को कम–से–कम 25 वर्ष का होना जरूरी है। साथ ही यह भी जरूरी है कि वह भारत का नागरिक हो।

विधानसभा क्षेत्र में रहनेवाले वे सभी लोग जिनकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक हो, वोट डाल सकते हैं। पहले उन्हें अपना नाम मतदाता सूची (वोट डालने वालों की एक सूची) में दर्ज कराना पड़ता है।

1. चुनाव लड़नेवाले को क्या कहते हैं?
2. उम्मीदवार और प्रतिनिधि में क्या अंतर है?
3. वोट कौन दे सकता है?

गोपालपुर में मतदान

चित्र–2.4 मतदान केन्द्र

20 जनवरी की सुबह वोट डालने का काम शुरू हुआ। मतदान केन्द्रों के सामने लोगों की लंबी कतारें थीं। एक आदमी दरवाजे के पास बैठा था। उसके पास लंबी सूची थी। वोट देनेवाले पहले उसके पास जाते। सूची में जिसका नाम होता उसके बाएँ हाथ की उँगली के नाखून पर वह व्यक्ति एक अमिट स्याही लगाता व हस्ताक्षर करवाता। कमरे के कोने में एक मतदान कक्ष (बूथ) बना था। जहाँ पर एक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन रखी हुई थी। वहाँ मतदाता को वोट डालने के लिए भेजा जाता। मतदाता मशीन में बटन दबाकर वोट देता और बाहर चला जाता।

एक मतदान केन्द्र पर जब वोट डाले जा रहे थे उसी समय एक व्यक्ति के साथ वहाँ के अधिकारी की खूब बहस हो गई। अधिकारी कह रहा था तुम तो वोट डाल चुके हो फिर से क्यों आए हो? वोट देने वाला बार–बार अपने नाखून दिखाता। जब मेरे नाखून पर निशान नहीं हैं तो आप मुझे वोट देने से कैसे रोक सकते हैं? आपने मेरे नाम को सूची में गलती से काटा होगा या कोई और व्यक्ति मेरा वोट डाल गया होगा।

अंत में अधिकारी ने उससे कहा कि वह अपना वोट मतपत्र के द्वारा डालकर लिफाफे में सील बंद करके दे। वोट का लिफाफा अधिकारी ने अपने पास ही रख लिया। शाम 5 बजे गोपालपुर में मतदान समाप्त हो गया।

1. शिक्षक की मदद से अपने स्कूल के पास वाले पंचायत भवन में पंचायत चुनाव के लिए बनी मतदाता सूची देखें और अपने शब्दों में लिखें कि मतदाता सूची में क्या–क्या जानकारी रहती है?
2. एक ही विधानसभा क्षेत्र में कई मतदान केन्द्र क्यों बनाए जाते हैं?
3. इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से वोट कैसे डाला जाता है? अपने शब्दों में समझाओ।
4. जिस व्यक्ति ने वोट डाल दिया उसको पहचानने का क्या तरीका है?
5. फर्जी मतदान क्या होता है? शिक्षक की मदद से कक्षा में चर्चा करें।

वोटों की गिनती व चुनाव परिणाम

दो दिन बाद पूरब प्रदेश के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में वोटों की गिनती शुरू हुई। थोड़ी–थोड़ी देर बाद खबर आती कि किस विधान सभा क्षेत्र में कौन–कौन–से उम्मीदवार को कितने वोट मिले हैं।

पूरब प्रदेश राज्य के अधिकांश लोग सभी काम–काज छोड़कर टी.वी. के सामने बैठे थे। जिस दल का उम्मीदवार आगे होता उस दल के समर्थक पटाखे फोड़ते। गोपालपुर में भी जिलाधीश कार्यालय में वोटों की गिनती हो रही थी।

दोपहर तक सभी केन्द्रों के वोटों की गिनती पूरी हो गई। जनता मिशन दल की पल्लवी बाई को 45202 वोट मिले और भारत दल के रामप्रसाद को 40502 वोट मिले। बाकी उम्मीदवारों को 5 हजार से भी कम वोट मिले। इस तरह पल्लवी बाई गोपालपुर से विधायक चुन ली गई। शाम तक पूरब प्रदेश की सभी विधान सभा सीटों के परिणाम घोषित कर दिए गए। पूरे राज्य की 70 विधानसभा सीटों के लिए जीते विधायकों को उनके दलों के अनुसार गिनें तो इस तरह की तालिका बनी।

चुनाव परिणाम की तालिका

क्र.	राजनैतिक दल	सीटों की संख्या
1	जनता मिशन	38
2.	भारत दल	28
3.	अन्य दल	03
4.	निर्दलीय	01

1. किसी क्षेत्र से जीतनेवाला व्यक्ति किन लोगों का प्रतिनिधि होता है ?
   अ. जिन लोगों ने उनको वोट दिए।
   ब. जिन लोगों ने उसे वोट नहीं दिया।
   स. पूरे क्षेत्र के लोगों का।
2. पूरब प्रदेश राज्य के इस चुनाव में किस दल को सबसे अधिक सीटें मिलीं ?
3. आपके इलाके में विधानसभा के चुनावों के समय वोटों की गिनती कहाँ होती है ?

नेता चुनने के लिए विधायक दल की बैठक

पूरब प्रदेश राज्य में चुनाव परिणामों के आने के बाद जनता मिशन दल के विधायकों की अपना नेता चुनने के लिए बैठक हुई। उन्हें सरकार बनाने के लिए जरूरी आधे से अधिक सीटें मिल गईं थीं। यानि पूरब प्रदेश की विधानसभा में जनता मिशन दल को बहुमत मिल गया था।

पूरब प्रदेश की राजधानी चारूपुर में जनता मिशन के विधायकों की बैठक से पहले जनता मिशन के सभी बड़े नेता विधायकों से मिल रहे थे। वे यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि विधायक किसे अपना नेता बनाना चाहते हैं। दो–तीन नामों पर अधिक चर्चा हो रही थी। रवि प्रसाद, बहोरन भाई व पल्लवी बाई के नाम चर्चा में थे।

तीन बजे बैठक शुरू हुई। शामपुर के विधायक करनलाल द्वारा पल्लवी बाई का नाम विधायक दल के नेता के लिए प्रस्तावित किया गया। पल्लवी बाई के नाम का कई विधायकों ने एक साथ समर्थन किया। जनता मिशन दल के बाहर से आए एक बड़े नेता ने पूछा–"इस पर किसी को आपत्ति तो नहीं है?" अधिकांश विधायकों ने एक साथ कहा–नहीं।" इस तरह पल्लवी बाई को जनता मिशन दल के विधायकों का नेता चुन लिया गया।

1. किसी भी राज्य में सरकार बनाने के लिए किसी दल या दलों के समूह को कम–से–कम कितनी सीटें चाहिए?
2. पूरब प्रदेश राज्य में विधानसभा की कुल 70 सीटें थीं तो आधे से अधिक कितनी सीटें होंगी?

पूरब प्रदेश में जनता मिशन का मंत्रिमंडल बना

केन्द्र सरकार हर राज्य में अपना एक प्रतिनिधि नियुक्त करती है जिसे राज्यपाल कहते हैं।

पल्लवी बाई ने पूरब प्रदेश के राज्यपाल से मिलकर बताया कि उनके दल को आधे से अधिक सीटें मिलीं हैं और जनता मिशन दल के विधायकों ने उन्हें अपना नेता चुना है। इसलिए उन्हें सरकार बनाने के लिए बुलाया जाए।

5 फरवरी को पल्लवी बाई को पूरब प्रदेश राज्य के राज्यपाल ने मुख्यमंत्री नियुक्त किया। पल्लवी बाई ने अपने दल के 12 विधायकों के साथ मंत्रिपद की शपथ ली। इस तरह पूरब प्रदेश में जनता मिशन दल का मंत्रिमंडल बन गया।

1. मुख्यमंत्री कौन बनेगा? यह कैसे तय होता है?
2. मुख्यमंत्री की नियुक्ति कौन करता है?
3. मंत्रिमंडल में और कौन लोग होते हैं?

LSG8D3

राज्य का मंत्रिमंडल सरकार

पूरब प्रदेश राज्य के चुनाव परिणामों की तालिका देखें। इस तालिका में जनता मिशन को 38 सीटें मिली हैं जो पूरब प्रदेश विधानसभा की 70 सीटों में से आधे से कुछ अधिक हैं। किसी राज्य में विधानसभा के चुनाव के बाद जिस दल को आधे से अधिक सीटें मिलती हैं उसे बहुमत दल कहते हैं। जैसे हिमाचल प्रदेश में 68 सीटें हैं तो जिस दल के पास 35 सीटें होंगी, वह दल बहुमत दल कहलायेगा। यदि एक दल के पास सरकार बनाने के लिए आधे से अधिक सीटें न हों तो कई दल आपस में मिल जाते हैं जिससे कि उनकी सीटों की संख्या आधे से अधिक हो जाए और वे सरकार बना सकें।

जिस तरह पूरब प्रदेश में जनता मिशन के विधायकों ने पल्लवी बाई को अपने विधायक दल का नेता चुना था, उसी तरह किसी भी राज्य में आधे से अधिक सीटें जीतनेवाला दल अपने विधायक दल का नेता चुनता है जिसे राज्यपाल, मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाते हैं। राज्यपाल, मुख्यमंत्री की सलाह पर अन्य मंत्रियों को नियुक्त करते हैं। मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों को मिलाकर किसी भी राज्य का मंत्रिमंडल बनता है। मुख्यमंत्री का मंत्रिमंडल तब तक काम करता है जब तक उसे विधानसभा में बहुमत हासिल हो। विधानसभा में बहुमत न रहने पर मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों को अपने पद छोड़ने पड़ते हैं।

अभ्यास के प्रश्न

1. मानचित्र क्र. 2.1 को देखकर आप अपने विधानसभा क्षेत्र का नाम एवं क्रमांक लिखें ?
2. मान लीजिए आप किसी विधान सभा में चुनाव लड़ रहे हैं तो आप अपना चुनाव प्रचार कैसे करेंगे?
3. किसी भी राज्य को विधानसभा के चुनाव के लिए अलग–अलग विधानसभा क्षेत्रों में क्यों बाँटा जाता है?
4. छत्तीसगढ़ की विधानसभा में किसी भी दल को बहुमत प्राप्त करने के लिए कितनी सीटों की आवश्यकता होगी?
5. किसी भी विधानसभा क्षेत्र में चुने गए प्रतिनिधि की मुख्य जिम्मेदारी क्या होती है?
6. अगर आप विधायक होते तो अपने क्षेत्र के लिये क्या कार्य करते ?

LSQ4EQ